imma™

Rashtriya Sahara

Jyoti Menon

Date: 25-02-2009 | Edition: Delhi | Page: 3 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 14 H: 23

Clip: 1 of 1

वूमेन ऑन टॉप

एचआर प्रोफेशनल

लेखक

ज्योति मेनन

एचआर क्षेत्र में विशेष योगादन के लिए इंदिरा सुपर अचीवर अवॉर्ड से सम्मानित ज्योति कलम की ताकत को भी महत्ता देती हैं, तभी तो आज तक वह तीन किताबें लिख चुकी हैं

ज्योति मेनन इंजीनियर हैं, लेकिन लोगों के प्रति उनके जुनून ने उन्हें ह्यूमन रिलेशन को बतौर प्रोफेशन अपनाने पर मजबूर कर दिया। एचआर इंडस्ट्री में पिछले पंद्रह सालों से काम कर रहीं ज्योति ने टैलेंट मैनेजमेंट-डेवलपमेंट, इम्प्लॉई रिलेशंस और रिटेंशन, परफॉरमेंस मैनेजमेंट, रीवॉड्र्स एंड बेनिफिट्स आदि में नेतृत्व कर चुकी हैं। पुणे यूनिवर्सिटी के डीवाई पाटिल कॉलेज से उन्होंने इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है।

वर्तमान में ज्योति चेन्नई स्थित स्कोप इंटरनेशनल, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक में बतौर सीनियर वाइस-प्रेसीडेंट कार्यरत हैं और एचआर शेयर्ड सर्विसेज की प्रमुख हैं। इससे पहले ज्योति बेंगलूरू स्थित आदित्य बिड़ला ग्रुप कंपनी ट्रांसवर्क में एचआर की प्रमुख थी। लैसन इंडिया, इंडिया प्रायर, एचटीसी, मैसटेक और एजीसीओ में भी काम कर चुकी ज्योति ने सभी कंपनियों में एचआर को ही संभाला। अपने काम को लेकर पूर्ण रूप से समर्पित ज्योति कलम की ताकत को भी महत्ता देती हैं। कलम उनके जीवन का वह दूसरा भाग है, जिससे मुंह मोड़कर वह जी ही नहीं सकतीं। तभी तो लेखक होने की जिम्मेदारी भी उन्होंने बखूबी संभाली। ज्योति की पहली किताब 'द पावर ऑफ ह्यूमन रिलेशंस' जून 2004 में प्रकाशित हुई। उनकी दूसरी किताब 'ब्रांडवाइज' चेन्नई में जनवरी 2005 को लांच की गई। ज्योति ने यह किताब अपने पति बॉबी के साथ मिलकर लिखी। इस किताब का नाम 'मी, अ विनर' है, जो मार्च 2006 में सबके समक्ष आई। ज्योति ने इस किताब में लोगों को विजेता बनने की ओर प्रेरित किया है।

इस साल जनवरी में ही उनकी चौथी किताब 'द एंजेल ऑफ गॉड' प्रकाशित होकर आई, जो फिक्शन पर आधारित है। ज्योति बताती हैं, 'मेरी यह किताब मूसा भाई नामक चरित्र के इर्द-गिर्द घूमती है, जो धारावी की गलियों में पैदा हुआ है। मुंबई से लेकर केरल, लिबिया और मिडिल इस्ट तक का सफर तय करती मेरी यह किताब अपराध को केंद्र में लेकर लिखी गई है।' ज्योति आगे बताती हैं कि मेरी किताब का मुख्य चरित्र एक अपराधी है, बावजूद इसके उन्होंने अपराध की दुनिया को ग्लोरीफाई करने की तनिक भी कोशिश नहीं की है। दरअसल यह किताब व्यक्ति की ख्वाहिशों को बयान करती है।

जान-पहचान वालों के बीच ज्योति ज्यो के नाम से जानी जाती है। ज्यो की ख्वाहिशें और कोशिशें यहीं खत्म नहीं होतीं। वह हर क्षेत्र में खुद को विजेता बनाना चाहती हैं। एचआर क्षेत्र में उनकी विशेषता और लगन को देखते हुए 2006 में उन्हें इंदिरा सुपर अचीवर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा भी उन्होंने कई अवॉर्ड और प्रशंसा अपनी विभिन्न कंपनियों के लिए बटोरी हैं।

लेखन के अलावा उनकी रुचि विभिन्न तरह की किताबें पढ़ने और संगीत सुनने में भी है। लोगों से मिलने और जानने के शौक ने उनके अंदर घुमक्कड़ी के भी भाव पैदा किए हैं। विभिन्न स्थान घूमने के दौरान उनकी कोशिश रहती है कि वह जानें कि किस तरह से लोग अपनी जिंदगी व्यतीत करते हैं और वातावरण को बदलते हैं। उनकी कई ख्वाहिशों में से एक परंपरागत कलाओं को पुनर्जीवित करना और भारतीय कारीगरों को नये आयाम देना है। ज्योति की शादी बॉबी मेनन से हुई है, जो एग्जक्यूटिव कोच, इंटरनेशनल ट्रेनर और ट्रांफॉरमेशन स्पेशलिस्ट हैं। बॉबी भी एचआर इंडस्ट्री में ही कार्यरत हैं। दोनों की आठ साल की बेटी पूजा है। अपनी मां के पदचिह्नों पर ही चल रही पूजा उभरती आर्टिस्ट है।

■ राहुल